UP Board Class 6 Maths Notes Chapter 3 पूर्णांक

→ ऋण संख्याओं को पूर्ण संख्याओं में सम्मिलित करने से पूर्णांक बनते हैं।

→ पूर्णांकों का समुच्चय =

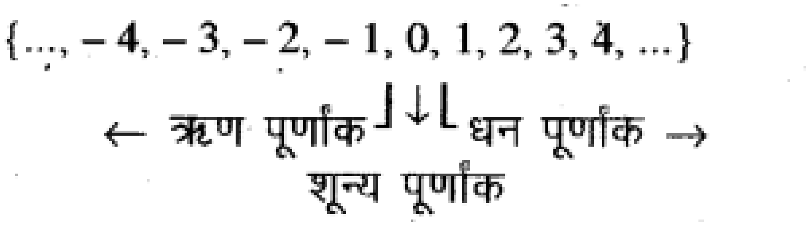

→ प्रत्येक धन पूर्णांक, प्रत्येक ऋण पूर्णांक से बड़ा होता है। शून्य, प्रत्येक धन पूर्णांक से छोटा तथा प्रत्येक ऋण पूर्णोंक से बड़ा होता है।

→ दो ऋण पूर्णांकों का योगफल, उनके संख्यात्मक मान के योगफल के साथ, ऋण चिन्ह लगाने से प्राप्त होता है।

→ एक धनात्मक तथा दूसरे ऋण पूर्णांक का योगफल, उनके संख्यात्मक मान का अन्तर होता है, तथा उसके साथ, बड़े संख्यात्मक मान वाले पूर्णांक का चिन्ह लगता है।

→ किसी पूर्णांक में से दूसरे पूर्णांक को घटाने के लिए, घटाए जाने वाले पूर्णांक का चिन्ह बदलकर, पहले पूर्णांक में जोड़ते हैं।

→ पूर्णांकों का योग तथा व्यवकलन संख्या रेखा पर भी दिखाया जा सकता है।